www.a2zSubjects.com

PAPER-II
HINDI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________

(In words)

J 2 0 1 6

Time : 1 1/4 hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

हिन्दी

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार किस आचार्य ने अपभ्रंश को लोकभाषा न कहकर देश भाषा कहा है ?

(1) वररुचि (2) हेमचंद्र

(3) भरतमुनि (4) बाणभट्ट

2. वज्रयान में 'महासुख' दशा की प्राप्ति किससे मानी गई ?

(1) प्रज्ञा और उपाय के योग से (2) शून्य और विज्ञान से

(3) देवताओं के युगनद्ध स्वरूप से (4) गुह्य प्रवृत्ति से

3. 'हिन्दू पूजै देहरा, मुसलमान मसीद' – किस कवि की पंक्ति है ?

(1) कबीर (2) नामदेव

(3) रैदास (4) सुंदरदास

4. 'ज्ञानदीप' के रचयिता हैं

(1) कासिम शाह (2) जायसी

(3) मंझन (4) शेखनबी

5. 'गोस्वामी के प्रादुर्भाव को हिन्दी काव्य क्षेत्र में एक चमत्कार समझना चाहिए।' – यह कथन किस आलोचक का है ?

(1) रामविलास शर्मा (2) रामचंद्र शुक्ल

(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) नंददुलारे वाजपेयी

6. 'रामध्यानमंजरी' के रचयिता हैं :

(1) तुलसीदास (2) केशवदास

(3) स्वामी अग्रदास (4) हदयराम

7. अपना परिचय देते हुए किस कवि ने स्वीकार किया है कि –

'हय, रथ, पालकी, गयंद, गृह, ग्राम, चारू
आखर लगाय लेत लाखन की सामा हौं ।' ?

(1) भूषण (2) देव

(3) प्रतापसिंह (4) पद्माकर

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

8. 'तिय सैसव जोबन मिले, भेद न जान्यो जात ।
प्रात समय निसि द्यौस के दुवौ भाव दर सात ।।' – उक्त दोहे में नायिका की किस अवस्था का वर्णन हुआ है ?
(1) वय: संधि (2) युवावस्था
(3) प्रौढ़ावस्था (4) शैशवावस्था

9. निम्नलिखित में से कौन सा खंडकाव्य रामनरेश त्रिपाठी का नहीं है ?
(1) मिलन (2) स्वप्न
(3) पथिक (4) नहुष

10. 'समरस थे जड़ या चेतन
सुंदर साकार बना था
चेतनता एक विलसती
आनंद अखंड घना था ।' – जयशंकर प्रसाद की उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ 'कामायनी' के किस सर्ग की हैं ?
(1) श्रद्धा (2) रहस्य
(3) आनंद (4) इड़ा

11. बालकृष्ण भट्ट द्वारा रचित उपन्यास है :
(1) धूर्त रसिकलाल (2) श्यामा स्वप्न
(3) निस्सहाय हिन्दू (4) सौ अजान एक सुजान

12. 'सूखा बरगद' उपन्यास के लेखक हैं :
(1) असगर वजाहत (2) अब्दुल बिस्मिल्लाह
(3) मंजूर एहतेशाम (4) मेहरुन्निसा परवेज़

13. भारतेन्दु ने अपने किस नाटक को 'नाट्य रासक वा लास्य रूपक' की संज्ञा दी ?
(1) भारतजननी (2) भारतदुर्दशा
(3) श्री चन्द्रावली (4) सतीप्रताप

14. निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद का कौन-सा नाटक कृष्ण मिश्र के संस्कृत नाटक 'प्रबोध चन्द्रोदय' की अन्यापदेशिक शैली पर आधारित है ?
(1) सज्जन (2) कामना
(3) करुणालय (4) प्रायश्चित

15. 'अपनी खबर' किस लेखक की आत्मकथा है ?
(1) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' (2) राहुल सांकृत्यायन
(3) श्यामसुंदर दास (4) रामविलास शर्मा

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

16. अमरकांत द्वारा रचित कहानी नहीं है :

(1) डिप्टी कलक्टरी
(2) जिन्दगी और जोंक
(3) एक और जिन्दगी
(4) मौत का नगर

17. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' – किसकी उक्ति है ?

(1) रुद्रट
(2) विश्वनाथ
(3) वामन
(4) कुन्तक

18. 'ध्वन्यालोक' के रचयिता हैं :

(1) आनन्दवर्द्धन
(2) भामह
(3) दण्डी
(4) उद्भट

19. 'विरेचन' सिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य हैं :

(1) लॉन्जाइनस
(2) प्लेटो
(3) कॉलरिज
(4) अरस्तू

20. 'लघुमानव' की अवधारणा किस आलोचक की है ?

(1) लक्ष्मीकान्त वर्मा
(2) मुक्तिबोध
(3) विजयदेव नारायण साही
(4) जगदीश गुप्त

21. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) कबीर, अमीर खुसरो, दादूदयाल, सुन्दरदास
(2) अमीर खुसरो, कबीर, दादूदयाल, सुन्दरदास
(3) अमीर खुसरो, कबीर, सुन्दरदास, दादूदयाल
(4) दादूदयाल, कबीर, अमीर खुसरो, सुन्दरदास

22. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) आलम, घनानंद, ठाकुर, द्विजदेव
(2) घनानंद, ठाकुर, आलम, द्विजदेव
(3) आलम, ठाकुर, घनानंद, द्विजदेव
(4) द्विजदेव, घनानंद, आलम, ठाकुर

23. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(1) स्वदेश संगीत, कुंकुम, राष्ट्रीय मंत्र, रेणुका
(2) राष्ट्रीय मंत्र, कुंकुम, रेणुका, स्वदेश संगीत
(3) कुंकुम, स्वदेश संगीत, राष्ट्रीय मंत्र, रेणुका
(4) राष्ट्रीय मंत्र, स्वदेश संगीत, रेणुका, कुंकुम

www.a2zSubjects.com

24. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) जगन्नाथदास रत्नाकर, सत्यनारायण 'कविरत्न', गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', मुकुटधर पाण्डेय

(2) सत्यनारायण 'कविरत्न', जगन्नाथदास रत्नाकर, मुकुटधर पाण्डेय, गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

(3) जगन्नाथदास रत्नाकर, गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', मुकुटधर पाण्डेय, सत्यनारायण 'कविरत्न'

(4) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', जगन्नाथदास रत्नाकर, मुकुटधर पाण्डेय, सत्यनारायण 'कविरत्न'

25. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(1) काश्मीर सुषमा, प्रिय प्रवास, मिलन, भारत भारती

(2) भारत भारती, मिलन, काश्मीर सुषमा, प्रिय प्रवास

(3) काश्मीर सुषमा, भारत भारती, प्रिय प्रवास, मिलन

(4) प्रिय प्रवास, काश्मीर सुषमा, मिलन, भारत भारती

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) विषवंश, शुतुरमुर्ग, कोर्ट मार्शल, रसगंधर्व

(2) शुतुरमुर्ग, रसगंधर्व, कोर्ट मार्शल, विषवंश

(3) रसगंधर्व, कोर्ट मार्शल, शुतुरमुर्ग, विषवंश

(4) शुतुरमुर्ग, कोर्ट मार्शल, विषवंश, रसगंधर्व

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचंद के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) रंगभूमि, प्रतिज्ञा, गबन, कर्मभूमि

(2) प्रतिज्ञा, कर्मभूमि, गबन, रंगभूमि

(3) रंगभूमि, गबन, प्रतिज्ञा, कर्मभूमि

(4) कर्मभूमि, रंगभूमि, प्रतिज्ञा, गबन

28. प्रकाशन वर्ष के अनुसार मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) अल्मा कबूतरी, कही ईसुरी फाग, चाक, गुनाह-बेगुनाह

(2) चाक, कही ईसुरी फाग, गुनाह-बेगुनाह, अल्मा कबूतरी

(3) कही ईसुरी फाग, चाक, अल्मा कबूतरी, गुनाह-बेगुनाह

(4) चाक, अल्मा कबूतरी, कही ईसुरी फाग, गुनाह-बेगुनाह

29. निम्नलिखित कहानियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :

(1) इंदुमती, प्लेग की चुड़ैल, ग्यारह वर्ष का समय, दुलाईवाली

(2) दुलाईवाली, ग्यारह वर्ष का समय, प्लेग की चुड़ैल, इंदुमती

(3) प्लेग की चुड़ैल, इंदुमती, दुलाईवाली, ग्यारह वर्ष का समय

(4) इंदुमती, प्लेग की चुड़ैल, दुलाईवाली, ग्यारह वर्ष का समय

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

30. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित पाश्चात्य आलोचकों का सही अनुक्रम है :

(1) कॉलरिज, क्रोचे, आई.ए. रिचर्ड्स, मैथ्यू ऑर्नल्ड

(2) क्रोचे, कॉलरिज, मैथ्यू ऑर्नल्ड, आई.ए. रिचर्ड्स

(3) कॉलरिज, मैथ्यू ऑर्नल्ड, क्रोचे, आई.ए. रिचर्ड्स

(4) मैथ्यू ऑर्नल्ड, क्रोचे, कॉलरिज, आई.ए. रिचर्ड्स

31. निम्नलिखित कवियों को उनके आश्रयदाता राजाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	घनानंद	(i)	ओरछा नरेश
(b)	पद्माकर	(ii)	मोहम्मद शाह रंगीला
(c)	केशवदास	(iii)	जगतसिंह
(d)	देव	(iv)	पृथ्वीसिंह
		(v)	आजमशाह

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

32. निम्नलिखित पात्रों को उनसे सम्बद्ध काव्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	कैमास	(i)	आल्हखंड
(b)	परमाल	(ii)	कीर्तिलता
(c)	राघव चेतन	(iii)	पृथ्वीराज रासो
(d)	इब्राहीम शाह	(iv)	पउमचरिउ
		(v)	पद्मावत

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	हे मेरी तुम ! आओ बैठें पास-पास हम हास और परिहास करें	(i)	धूमिल
(b)	और वह सुरक्षित नहीं है जिसका नाम हत्यारों की सूची में नहीं है	(ii)	नागार्जुन
(c)	साम्यवाद के पथ में लीद किया करते हैं मानवता का पोस्टर देखा लगे रेंकने	(iii)	केदारनाथ अग्रवाल
(d)	कर गई चाक /तिमिर का सीना जोत की फाँक /यह तुम थीं	(iv)	त्रिलोचन शास्त्री
		(v)	लक्ष्मीकांत वर्मा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

34. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	जीवन तेरा क्षुद्र अंश है व्यक्त नील घन माला में सौदामिनी संधि-सा सुंदर क्षणभर रहा उजाला में ।	(i)	सुमित्रानंदन पंत
(b)	जो सोए स्वप्नों के तम में वे जागेंगे यह सत्य बात जो देख चुके जीवन निशीथ वे देखेंगे जीवन प्रभात ।	(ii)	निराला
(c)	बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु पूछेगा सारा गाँव बंधु ।	(iii)	महादेवी वर्मा
(d)	पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला ।	(iv)	जयशंकर प्रसाद
		(v)	भगवतीचरण वर्मा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

35. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	अमोला	(i)	गिरिजा कुमार माथुर
(b)	पलाशवन	(ii)	महादेवी वर्मा
(c)	दीपशिखा	(iii)	भारतभूषण अग्रवाल
(d)	धूप के धान	(iv)	त्रिलोचन शास्त्री
		(v)	नरेन्द्र शर्मा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

36. भारतेन्दु की नाट्य-उक्तियों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	प्यारी ! वे अधर्म्म से लड़े हम तो अधर्म्म नहीं न कर सकते । हम आर्य्यवंशी लोग धर्म्म छोड़कर लड़ना क्या जानें ?	(i)	अंधेर नगरी
(b)	कोऊ नहिं पकरत मेरो हाथ बीस कोटि सुत होत फिरत मैं हा हा होय अनाथ ।	(ii)	विषस्य विषमौषधम
(c)	चना हाकिम सब जो खाते । सब पर दूना टिकस लगाते ।।	(iii)	सत्य हरिश्चन्द्र
(d)	हमने माना कि उसको स्वर्ग लेने की इच्छा न हो तथापि अपने कर्मों से वह स्वर्ग का अधिकारी तो हो जाएगा ।	(iv)	नीलदेवी
		(v)	भारत दुर्दशा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)
(2)	(iv)	(v)	(i)	(iii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(4)	(ii)	(v)	(iii)	(i)

37. निम्नलिखित औपन्यासिक पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	भुवन	(i)	अपने अपने अजनबी
(b)	जोहरा	(ii)	अनामदास का पोथा
(c)	कालीचरन	(iii)	मैला आँचल
(d)	रैक्व	(iv)	गबन
		(v)	नदी के द्वीप

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(iii)

38. निम्नलिखित कहानियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची –I		**सूची – II**
(a)	कसाईबाड़ा	(i)	मन्नू भंडारी
(b)	तिरिछ	(ii)	शिवमूर्ति
(c)	एक प्लेट सैलाब	(iii)	मृदुला गर्ग
(d)	डेफोडिल जल रहे हैं	(iv)	उदयप्रकाश
		(v)	अखिलेश

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(3)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(4)	(iii)	(ii)	(v)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

39. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची –I		**सूची – II**	
(a)	श्रृंगार प्रकाश	(i)	घनंजय
(b)	व्यक्ति विवेक	(ii)	रुद्रभट्ट
(c)	दशरूपक	(iii)	रुद्रट
(d)	श्रृंगार तिलक	(iv)	भोज
		(v)	महिमभट्ट

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची –I		**सूची – II**	
(a)	सेक्रेड वुड	(i)	आर.पी. ब्लैकमर
(b)	रिवैल्यूएशन	(ii)	केनेथ बर्क
(c)	लैंग्वेज एज़ जैस्चर	(iii)	टी.एस. इलियट
(d)	ए ग्रामर ऑफ मोटिव्ज़	(iv)	एफ.आर. लीविस
		(v)	रेमण्ड विलियंस

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(v)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(4)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

निर्देश : प्रश्न संख्या **41** से **45** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं । इनमें से एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है । कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए ।

41. **स्थापना (Assertion) (A)** : कविता बाह्य प्रकृति से निरपेक्ष मनुष्य की अन्त: प्रकृति का प्रकाशन है ।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मनुष्य की भावात्मक सत्ता का सृष्टि में विस्तार करती है ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) सही और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) गलत

42. **स्थापना (Assertion) (A)** : मिथक जातीय जीवन की संयुक्त धरोहर है ।
तर्क (Reason) (R) : इसीलिए उसका रचनात्मक उपयोग सामाजिक जिम्मेदारी है ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) गलत और (R) गलत
(4) (A) सही और (R) सही

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

43. **स्थापना (Assertion) (A)** : वैचारिक प्रतिबद्धता रचनात्मक व्यक्तित्व की प्राथमिक अनिवार्यता है ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्यकार का रचनात्मक विचार सामाजिक परिवर्तन का बीजवपन करता है ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) सही और (R) सही
(4) (A) गलत और (R) गलत

44. **स्थापना (Assertion) (A)** : चमत्कार वह प्रक्रिया है जिससे चित्त का विस्तार होता है । रसास्वाद और चमत्कार की प्रवृत्ति में कोई अन्तर नहीं है ।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए भारतीय काव्यशास्त्र में काव्य में कई चमत्कार बिन्दुओं का उल्लेख हुआ है।

(1) (A) सही और (R) सही
(2) (A) सही और (R) गलत
(3) (A) गलत और (R) गलत
(4) (A) गलत और (R) सही

45. **स्थापना (Assertion) (A)** : 'अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्' अर्थात् अवस्था की अनुकृति को नाटक कहते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नाटक में लोक के सुख-दुःख का अनुकरण आंगिक अभिनय द्वारा किया जाता है ।

(1) (A) गलत और (R) गलत
(2) (A) सही और (R) सही
(3) (A) सही और (R) गलत
(4) (A) गलत और (R) सही

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **46** से **50**) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

भावों की छानबीन करने पर मंगल का विधान करने वाले दो भाव ठहरते हैं – करुणा और प्रेम । करुणा की गति रक्षा की ओर होती है और प्रेम की रंजन की ओर । लोक में प्रथम साध्य रक्षा है । रंजन का अवसर उनके पीछे आता है । अत: साधनावस्था या प्रयत्नपक्ष को लेकर चलने वाले काव्यों का बीजभाव करुणा ही ठहरती है । इसी से शायद अपने दो नाटकों में रामचरित को लेकर चलने वाले महाकवि भवभूति ने 'करुणा' को ही एकमात्र रस कह दिया । रामायण का बीजभाव करुणा है जिसका संकेत क्रौंच को मारने वाले निषाद के प्रति वाल्मीकि के मुँह से निकले वचन द्वारा आरंभ ही में मिलता है । उसके उपरान्त भी बालकाण्ड के 15वें सर्ग में इसका आभास दिया गया है जहाँ देवताओं ने ब्राह्मण से रावण द्वारा पीड़ित लोक की दारुण दशा का निवेदन किया है । उक्त आदिकाव्य के भीतर लोकमंगल की शक्ति के उदय का आभास ताड़का और मारीच के दमन के प्रसंग में ही मिल जाता है । पंचवटी से वह शक्ति जोर पकड़ती दिखाई देती है । सीताहरण होने पर उसमें आत्म-गौरव और दाम्पत्य-प्रेम की प्रेरणा का भी योग हो जाता है । लोक के प्रति करुणा जब सफल हो जाती है, लोक जब पीड़ा और विघ्नबाधा से मुक्त हो जाता है तब राम राज्य में जाकर लोक के प्रति प्रेम प्रवर्तन का, प्रजा के रंजन का, उसके अधिकाधिक सुख के विधान का अवकाश मिलता है ।

46. साधनावस्था को लेकर चलने वाले काव्यों का बीजभाव करुणा है । क्योंकि :

(1) लोक में प्रथम साध्य रक्षा है ।
(2) करुणा की गति रक्षा की ओर नहीं है ।
(3) मंगल विधान में करुणा का अवसर पीछे आता है ।
(4) करुणा में रंजन का अवसर है ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

47. लोक में प्रजारंजन के सुख-विधान का अवकाश कब मिलता है ?

(1) लोक जब आत्म-गौरव प्राप्त करता है ।

(2) लोक में जब दाम्पत्य-प्रेम की प्रेरणा का योग होता है ।

(3) लोक में जब प्रेम-प्रवर्तन होता है ।

(4) लोक जब पीड़ित अवस्था से मुक्ति पाता है ।

48. पंचवटी प्रसंग का महत्त्व किसमें प्रतिष्ठित है ?

(1) लोकमंगल की शक्ति के विकास में

(2) लोक रंजन के विकास में

(3) लोक कल्याण से विरक्ति में

(4) लोक संस्कार के विस्तार में

49. उपर्युक्त गद्यांश में 'सीताहरण' प्रसंग को क्यों उद्‌धृत किया गया है ?

(1) लोक के प्रति करुणा को व्यक्त करने हेतु ।

(2) आत्मसम्मान और नैतिकता को व्यक्त करने के लिए ।

(3) प्रजा-रंजन को विस्तार देने के लिए ।

(4) लोकमंगल, आत्मगौरव और दाम्पत्य-प्रेम को प्रतिष्ठित करने के लिए ।

50. लोकमंगल के उदय का आधार कौन-सी घटना है ?

(1) निषाद का आचरण

(2) सीताहरण

(3) ताड़का और मारीच का दमन

(4) रावण द्वारा लोक को पीड़ित करना

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com